भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. *1879 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 06 दिसंबर, 2024/15 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है

ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम

1879. श्री आलोक शर्मा :
श्री मुकेशकुमार चंद्रकांत दलाल:
श्री प्रदीप पुरोहितः
श्री मनोज तिवारी :
श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन :
श्री जनार्दन मिश्रा :
श्री दिलीप शइकीया :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम (जीटीटीपी) की मुख्य विशेषताएं क्या हैं तथा उक्त कार्यक्रम किस प्रकार पारंपरिक ईंधन आधारित हार्बर टग से हरित एवं अधिक टिकाऊ विकल्पों की ओर संक्रमण को बढ़ावा देगा;

(ख) इस कार्यक्रम में कुल लागत का ब्यौरा क्या है, इसकी शुरुआत कब हुई है तथा जीटीटीपी के प्रथम चरण के लिए चयनित बंदरगाहों की संख्या क्या है तथा इसके लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं;

(ग) क्या यह परियोजना वर्ष 2023 में शुरू किये गए समुद्री अमृत काल विजन 2047 के अनुरूप है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम (जीटीटीपी) का लक्ष्य भारत के हार्बर बेड़े में शामिल पारंपरिक डीजल से चलने वाले जलयानों को हरित विकल्पों में परिवर्तित करना है। इसे 2024 से 2040 तक 05 चरणों की अवधि में चरणबद्ध एप्रोच से पूरा किया जाना है। इस ट्रांजिशन (परिवर्तन) को निर्बाध रूप से डिजाइन किया गया है, जिससे कि परंपरागत टगों को धीरे-धीरे चरणबद्ध रूप से हटाया जा सके।

(ख): दिनांक 16 अगस्त, 2024 को जीटीटीपी लॉन्च किया गया। प्रत्येक पत्तन द्वारा कम से कम दो हरित टगों की खरीद/किराए पर लेने के लक्ष्य के साथ है। जीटीटीपी के चरण-I में 04 महापत्तनों का चयन किया गया है।

(ग) और (घ): जीटीटीपी सीधे तौर पर मैरीटाइम अमृतकाल विजन, 2047 के साथ संरेखित है, जिसका उद्देश्य 2030 तक पत्तन जलयानों से सीएचजी उत्सर्जन को 30% तक कम करना है। जीटीटीपी का फोकस हार्बर टगों से उत्सर्जन को कम करना है जो महत्वपूर्ण रूप से इस व्यापक लक्ष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

*****